विषय-सूची

पृ. सं.

प्राक्कथन

प्रथम अध्याय- यथार्थः अवधारणा और स्वरूप **1-49**

1.1 यथार्थः अर्थ एवं परिभाषा

1.2 यथार्थवाद

1.2.1 अवधारणा

1.2.2 दर्शन और साहित्य का परिप्रेक्ष्य

1.2.3 स्वरूप

1.2.4 यथार्थवाद का उदयः पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ

1.3 यथार्थ और मार्कण्डेय

द्वितीय अध्याय– हिंदी कहानियों में ग्रामीण जीवन का यथार्थः **50-85**

विकास और परंपरा

2.1 यथार्थ और कथा साहित्य

2.2 हिंदी कहानी में ग्रामीण जीवन का यथार्थ : विकास के चरण

2.2.1 प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानियाँ

2.2.2 प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानियाँ

2.2.3 प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानियाँ

तृतीय अध्याय- मार्कण्डेय की कहानियों में ग्रामीण जीवन का यथार्थ **86-217**

3.1 मार्कण्डेय की कहानियाँ : एक परिचय

3.2 ग्रामीण जीवन की संकल्पना

3.2.1 ग्राम पद की व्युत्पत्ति

3.2.2 ग्राम की परिभाषा

3.3 मार्कण्डेय की कहानियों में ग्रामीण जीवन का यथार्थ : विश्लेषण

3.3.1 सामाजिक जीवन

3.3.2 राजनीतिक जीवन

3.3.3 आर्थिक जीवन

3.3.4 धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन

चतुर्थ अध्याय— मार्कण्डेय के समकालीन कहानीकार और ग्रामीण जीवन का यथार्थ **218-274**

4.1 भैरव प्रसाद गुप्त

4..2 विवेकी राय

4.3 शिवप्रसाद सिंह

4.4 फणीश्वरनाथ 'रेणु'

4.5 रामदरश मिश्र

पंचम् अध्याय- मार्कण्डेय की कहानियों में ग्रामेतर जीवन का यथार्थ **275-307**

5.1 ग्राम-ग्रामेतर का संदर्भ

5.2 स्वातंत्र्योत्तर परिदृश्य और मध्यवर्ग

5.3 मार्कण्डेय की कहानियों में मध्यवर्गीय जीवन बोध और यथार्थ

5.3.1 निस्संगता, अकेलापन और मध्यवर्ग

5.3.2 व्यक्तित्व का दोहरापन और मध्यवर्गीय जीवन

5.3.3 स्त्री और मध्यवर्ग

5.3.4 मध्यवर्गीय जीवन और दाम्पत्य संबंध

5.3.5 पूँजीवादी सभ्यता, पितृसत्तात्मक सोच और मध्यवर्ग

षष्ठ अध्याय- मार्कण्डेय की दस कहानियाँः विशेष अध्ययन **308-353**

6.1 गुलरा के बाबा

6.2 जूते

6.3 कल्यानमन

6.4 दौने की पत्तियाँ

6.5 हंसा जाई अकेला

6.6 आदर्श कुक्कुट-गृह

6.7 भूदान

6.8 घुन

6.9 एक काला दायरा

6.10 बीच के लोग

सप्तम अध्याय— मार्कण्डेय की कहानियों का शिल्प पक्ष **354-394**

7.1 शिल्प संबंधी मार्कण्डेय के विचार

7.1.1 कथा संयोजना

7.1.1.1 कथानक

7.1.1.2 चरित्र

7.1.2 भाषा संयोजना

7.1.2.1 पात्रानुकूलता

7.1.2.2 ग्रामीण शब्द-ध्वनि प्रयोग

7.1.2.3 ग्रामीण मुहावरा-लोकोक्तियाँ-उपमान

7.1.3 शैली संयोजना

7.1.3.1 चित्रात्मकता

7.1.3.2 सांकेतिकता

7.1.3.3 व्यंग्यात्मकता

उपसंहार **395-404**

परिशिष्ट **405-419**

संकेत-सूची

संदर्भ ग्रंथ सूची

अनुक्रमणिका